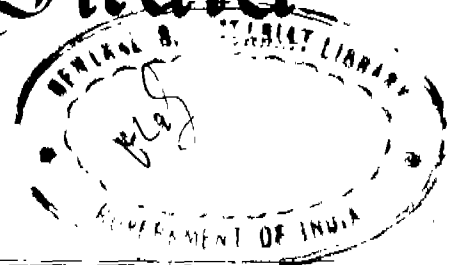




# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY  
भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1  
प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 233 ]

नई दिल्ली, सोमवार, सितम्बर 9, 2002/भाद्र 18, 1924

No. 233 ]

NEW DELHI, MONDAY, SEPTEMBER 9, 2002/BHADRA 18, 1924

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना

नई दिल्ली, 9 सितम्बर, 2002

विषय : चीन जनवादी गणराज्य के मूल से अथवा वहां से निर्यातित नॉन-ब्रास मेटल फ्लैशलाइट्स के भारत में आयात के संबंध में पाटनरोधी जांच शुरू करना।

से. 14/27/2002-डीजीएडी.— मै0 ऐवरेडी इन्डस्ट्रीज इंडिया लि0 ने 1995 में यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं वसूली और क्षति निर्धारण) नियमावली 1995 के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसके बाद प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष एक याचिका दायर की है जिसमें चीन जनवादी गणराज्य (जिसे इसके बाद संबद्ध देश कहा गया है) के मूल से अथवा वहाँ से आयातित नॉन-ब्रास मेटल फ्लैशलाइट्स के पाटन का आरोप लगाते हुए अनुरोध किया गया है कि पाटनरोधी जांच की जाए और पाटनरोधी शुल्क लगाया जाए।

## 2. विचाराधीन उत्पाद

मौजूदा याचिका में शामिल उत्पाद नॉन-ब्रास मेटल फ्लैश लाइट्स (जिसे इसके बाद सम्बद्ध वस्तु कहा गया है) हैं। फ्लैशलाइट्स आपातकालीन स्थिति में और साथ ही अन्धेरे स्थानों अथवा कोनों में रोशनी का स्रोत हैं। ये बाजार की भाषा में सामान्यतः टोर्च दू रूप में जानी जाती हैं। ब्रास फ्लैशलाइट्स के अतिरिक्त सभी मेटल फ्लैशलाइटें मौजूदा जांच के क्षेत्र में आती हैं। इन फ्लैशलाइटों का उत्पादन, बिक्री और मापन नगो के अनुसार किया जाता है। आयातों की स्थिति में सामग्री का आयात संख्या, नगों अथवा दर्जनों में किया जाता है। इन फ्लैशलाइटों में दो अथवा तीन सैल हो सकते हैं और ये छोटे, गध्यम और बड़े आकार के सैल हो सकते हैं। तथापि, याचिकाकर्ता से अधिकांश उत्पादन दो छोटे सैल, दो बड़े सैल और तीन बड़े सैल होते हैं।

याचिकाकर्ता ने यह दावा किया है कि सभी प्रकार की फ्लैशलाइटें अध्याय शीर्ष 85.13 में वर्गीकृत हैं। तथापि, यह मालूम होता है कि फ्लैशलाइटें (फोटोग्राफी के प्रयोजनार्थ प्रयुक्त होने वाली फ्लैशलाइटों को छोड़कर) उपशीर्ष 85131001 के अन्तर्गत और टोर्चों के लिए उपशीर्ष 85131005 के अन्तर्गत आयात की जा रही हैं। याचिकाकर्ता ने यह अनुरोध किया है कि विचाराधीन उत्पाद के संबंध में जांच शुरू की जाए चाहे उनका आयात किया जाने वाला वर्गीकरण कोई भी हो। सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक हैं और मौजूदा जांच के क्षेत्र में किसी भी तरह से बाधकारी नहीं है।

चूंकि नॉन-ब्रास मेटल फ्लैशलाइट के लिए, डीजीसीआई एण्ड एस आंकड़ों में केवल आयात के आंकड़े नहीं दिये गये हैं इसलिए याचिकाकर्ता को गौण स्रोत अर्थात् इंटरनेशनल बिजनेस इनफॉर्मेशन सर्विस, गुग्गर्ब के आंकड़ों पर भरोसा करना पड़ा है।

### 3. घरेलू उद्योग

यह याचिका में एवरेडी इण्डस्ट्रीज इंडिया लि० कोलकाता, पं० बंगाल द्वारा दायर की गई है। याचिकाकर्ता ने यह बताया है कि भारत में निम्नलिखित कम्पनियाँ फ्लैशलाइटों की उत्पादक हैं-

1. मैसर्स एवरेडी इण्डस्ट्रीज इंडिया लि०, कोलकाता
2. मैसर्स शेरवानी जो जीप के नाम से भी जानी जाती है, इलाहाबाद
3. अन्य (लघु स्तर के)

याचिकाकर्ता ने यह दावा किया है कि संबद्ध वस्तुओं की नग संख्या के अनुसार कुल भारतीय उत्पादन में उनका लगभग 77.41% हिस्सा है। प्रथम दृष्टया याचिकाकर्ता उपरोक्त नियमों के नियम 5(3) (क) के अनुसार घरेलू उद्योग की ओर से याचिका दायर करने की स्थिति में होने के मापदंडों को पूरा करता है।

### 4. शामिल देश

वर्तमान जांच में शामिल देश चीन जनवादी गणराज्य है।

### 5. समान वस्तु

याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि उनके द्वारा उत्पादित वस्तुएं उनकी विशेषताओं जैसे भौतिक संरचना, विनिर्माणीय प्रक्रिया, प्रौद्योगिकी विशिष्टियों और वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण के अनुसार संबद्ध देशों उनके मूल की या वहाँ से निर्यातित वस्तुओं के समान हैं। अतः वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित वस्तु को उपरोक्त नियमों के अर्थ के भीतर संबद्ध देशों से आयातित वस्तु के समान वस्तु माना जा रहा है।

### 6. सामान्य मूल्य

प्राधिकारी ने यह नोट किया है कि याचिकाकर्ता ने चीन को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था मानते हुए और समुचित समायोजनों सहित उत्पाद की परिकलित लागत के आधार पर चीन जनवादी गणराज्य में संबद्ध वस्तुओं के सामान्य मूल्य का दावा किया है। प्राधिकारी का यथा संशोधित

पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-11 के पैरा-7 और 8 के अनुसार याचिकाकर्ता के दावे की जांच करने का प्रस्ताव है। प्राधिकारी ने प्रथम दृष्टया याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराई गई उत्पाद की परिकल्पित लागत के आधार पर चीन जनवादी गणराज्य में संबद्ध वस्तुओं का सामान्य मूल्य माना है।

## 7. निर्यात मूल्य

याचिकाकर्ता ने गौण स्रोतों अर्थात् मैसर्स इन्टरनेशनल बिजनेस इन्फोर्मेशन सर्विस, मुम्बई पर आधारित संबद्ध देश से निर्यात मूल्य का दावा किया है जिसके आंकड़े सीमाशुल्क दैनिक सूची पर आधारित है। याचिकाकर्ता ने गौण स्रोत के आंकड़ों से प्राप्त विवरण के आधार पर आंकड़े इकट्ठे किए हैं और विचाराधीन उत्पाद के लिए सौदों को शामिल किया है। कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत परिगणित करने के लिए समुद्री भाड़ा, समुद्री बीमा निर्यात के देश में अन्तर्देशीय परिवहन पतान हैंडलिंग तथा पत्तन प्रगारों को समायोजित करने का दावा किया है।

## 8. पाटन मार्जिन

इस बात के प्रथम दृष्टया साक्ष्य है कि संबद्ध देश में संबद्ध वस्तु का सामान्य मूल्य कारखाना द्वार निर्यात मूल्य से काफी अधिक है। जिससे प्रथम दृष्टि में ऐसा मालूम होता है कि संबद्ध देशों के निर्यातकों द्वारा संबद्ध वस्तुओं का पाटन किया जा रहा है।

## 9. क्षति एवं कारणात्मक संबंध

क्षति से संबंधित विभिन्न मापदंड जैसे संबद्ध देश से सही मात्रा में और सभी देशों से हुए कुल आयातों की तुलना महत्वपूर्ण वृद्धि, उत्पादन में कमी, क्षमता उपयोग और फ्लैशलाइटों की घरेलू बिक्री, कीमत में कमी होना, माल की अन्तिम मात्रा में वृद्धि, संबद्ध वस्तु की बिक्री से उचित एवं पर्याप्त कीमत न मिलने से सामूहिक एवं संचयी तौर पर यह मालूम होता है कि पाटन के कारण घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

## 10. पाटनरोधी जांच की शुरुआत

उपर्युक्त पैराग्राफों को ध्यान में रखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी संबद्ध देशों के मूल की अथवा निर्यातित संबद्ध वस्तु के कथित पाटन की विद्यमानता, मात्रा और उसके प्रभाव की जांच शुरू करते हैं।

## 11. जांच की अवधि

वर्तमान जांच के लिए जांच की अवधि 1 जुलाई, 2001 से 31 मार्च, 2002 तक (नौ महीने) हैं।

## 12. सूचनाएं प्रस्तुत करना

उक्त संबद्ध देशों के ज्ञात संबंधित निर्यातकों और भारत में आयातकों को निर्धारित प्रपत्र में और निर्धारित तरीके से संबंधित सूचना प्रस्तुत करने के लिए और अपने विचारों से निर्दिष्ट प्राधिकारी, पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, वाणिज्य विभाग, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110011 को अवगत कराने के लिए अलग-अलग पत्र लिखे जा रहे हैं।

उपरोक्त नियमों के नियम 6(5) के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा जांच के अधीन वस्तु के औद्योगिक प्रयोक्ताओं तथा प्रतिनिधि उपभोक्ता संगठनों को भी अवसर प्रदान किया जा रहा है जो ऐसी सूचना प्रस्तुत कर सकते हैं, जो पाटन, क्षति तथा कारणात्मक संबंध के बारे में जांच से संगत हो। कोई अन्य हितबद्ध पक्षकार भी नीचे निर्धारित समयावधि के भीतर जांच से संबंधित अपने निवेदन भेज सकता है।

### 13. समय सीमा

वर्तमान जांच संबंधी कोई जानकारी लिखित रूप में इस प्रकार भेजी जानी चाहिए कि वह इस अधिसूचना के प्रकाशित होने की तारीख से 40 दिनों के भीतर प्राधिकारी को उपर्युक्त पते पर पहुंच जाए। तथापि, जिन ज्ञात निर्यातकों और आयातकों को अलग से पत्र लिखे जा रहे हैं उनके लिए उनको लिखे पत्र की तारीख से 40 दिनों के भीतर सूचना प्रस्तुत करना आवश्यक है यह भी नोट करें कि निर्धारित समयावधि को बढ़ाने के लिए किसी भी प्रकार के अनुरोध को नहीं माना जाएगा।

### 14. सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण

नियम 6(7) के अनुसार कोई भी हितबद्ध पक्षकार उस सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकता है जिसमें अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों के अगोपनीय अंश रखे गए हैं। यदि कोई हितबद्ध पक्षकार आवश्यक सूचना उपलब्ध कराने से मना करता है या उचित समयावधि के भीतर उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराता है या जांच में पर्याप्त बाधा डालता है तो प्राधिकारी, अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं और केन्द्र सरकार को यथोचित सिफारिशें कर सकते हैं।

एल. बी. सप्तर्षि, निर्दिष्ट प्राधिकारी

**MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**  
(Department of Commerce)  
(DIRECTORATE OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)  
**INITIATION NOTIFICATION**

New Delhi, the 9th September, 2002

**Subject : Initiation of Anti-dumping investigation concerning imports into India of Non-Brass Metal Flashlights originating in or exported from China PR.**

**No. 14/27/2002-DGAD.—** M/s Eveready Industries India Limited has filed a petition in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 before the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority) alleging dumping of Non-Brass Metal Flashlights originating in or exported from Peoples' Republic of China (hereinafter referred to as subject country) and requested for initiation of Anti Dumping investigations and levy of anti dumping duties.

## 2. PRODUCT UNDER CONSIDERATION:

The product under consideration in the present petition is Non-Brass Metal Flashlights (hereinafter referred to as subject goods). Flashlights are a source of lights in case of emergency as well as need in dark places or corners. These are generally known as torches in the market parlance. All metal flashlights except brass flashlights are within the scope of the present investigations. These flashlights are produced, sold and measured in terms of pieces. In case of imports, the material is imported in numbers, pieces or dozens. These flashlights can have two or three cells and these can be small, medium and large sized cells. However, the bulk of the petitioner's production ranges from two small cells, two large cells and three large cells.

Petitioner has claimed that all types of flashlights are classified in Chapter heading 85.13. However, it is seen that flashlights are being imported under the sub-heading 85131001 (Flashlights excluding those which are used for photographic purposes) and as per sub head 85131005 which is meant for torches. The petitioner has requested that the investigations be initiated against the product under consideration irrespective of the classification under which they are being imported. Customs classifications are indicative only and are in no way binding on the scope of the present investigation.

Since for Non-Brass Metal Flashlights, the DGCI&S data does not give the exclusive imports data, the petitioner has relied upon the data of secondary source i.e. from International Business Information Services, Mumbai.

## 3. DOMESTIC INDUSTRY

The petition has been filed by M/s. Eveready Industries India Limited, Kolkata, West Bengal. The petitioner has stated that the following companies are the producers of flashlights in India:

1. M/s. Eveready Industries India Ltd., Kolkata
2. M/s. Shervani also known as Geep, Allahabad
3. Others. (In small scale)

The petitioner has claimed that they account for almost 77.41% of the total Indian production in terms of number of pieces of the subject goods. Prima facie the petitioners satisfy the criteria of standing to file the petition on behalf of the Domestic Industry in terms of Rule 5(3) (a) of the Rules supra.

1347 E11/02-2

#### 4. COUNTRIES INVOLVED:

The country involved in the present investigation is China PR.

#### 5. LIKE ARTICLE:

The petitioner has claimed that the goods produced by them are like articles to the goods originating in or exported from the subject country in terms of their features such as physical characteristics, manufacturing process, technology, specifications and tariff classification of the goods. Therefore, for the purpose of the present investigation, the goods produced by the petitioners are being treated as 'like articles' of the product imported from the subject country within the meaning of the Rules supra.

#### 6. NORMAL VALUE:

The Authority notes that the petitioner has claimed normal value of subject goods in PR China on the basis of constructed cost of production with appropriate adjustments treating China as non-market economy. The Authority proposes to examine the claim of the petitioner in the light of Para 7 and 8 of the Annexure II of the Anti-Dumping rules, as amended. The Authority has prima facie considered the normal value of subject goods in PR China on the basis of constructed cost of production as made available by the petitioner.

#### 7. EXPORT PRICE:

The petitioner has claimed the export price from the subject country based on the secondary data sources, i.e. M/s International Business Information Service, Mumbai whose data is based on the Customs Daily List. From the data of secondary source, the petitioners have sorted the data on the basis of description and clubbed the transactions for the product under consideration. Adjustments have been claimed on account of ocean freight, marine insurance, inland transportation in the country of exports, port handling and port charges to arrive at the Export Price at ex-factory level

#### 8. DUMPING MARGIN

There is prima facie evidence that Normal Value of the subject goods in the subject country is significantly higher than the ex-factory export price indicating, prima facie, that the subject goods are being dumped by exporters from the subject country

## 9. INJURY AND CAUSAL LINK

Various parameters relating to injury such as significant increase in imports from the subject country in absolute terms as well as in relation to total imports from all countries, decline in production, capacity utilization and domestic sales of flashlights, price undercutting, increase in the closing stock, and losses to the domestic industry due to non-realization of fair and reasonable price from the sale of the subject goods, prima facie, indicate collectively and cumulatively that the Domestic Industry has suffered material injury on account of dumping.

## 10. INITIATION OF ANTI DUMPING INVESTIGATIONS

The Designated Authority, in view of the foregoing paragraphs, initiates anti-dumping investigations into the existence, degree and effect of alleged dumping of the subject goods originating in or exported from the subject country.

## 11. PERIOD OF INVESTIGATION

The Period of Investigation for the purpose of the present investigation is 1st July 2001 to 31<sup>st</sup> March 2002. (9 months)

## 12. SUBMISSION OF INFORMATION

The exporters in the subject countries and the importers in India known to be concerned with this investigation are being addressed separately to submit relevant information in the form and manner prescribed and to make their views known to the Designated Authority, Directorate General of Anti Dumping & Allied Duties, Ministry of Commerce & Industry, Department of Commerce, Government of India, Udyog Bhavan, New Delhi – 11 00 11.

As per Rule 6(5) of Rule supra, the Designated Authority is also providing opportunity to the industrial users of the article under investigation, and to representative consumer organizations who can furnish information which is relevant to the investigation regarding dumping, injury and causality. Any other interested party may also make its submissions relevant to the investigation within the time limit set out below.

### 13. TIME LIMIT

Any information relating to the present investigation should be sent in writing so as to reach the Authority at the address mentioned above not later than forty days from the date of publication of this notification. The known exporters and importers, who are being addressed separately are, however, required to submit the information within forty days from the date of the letter addressed to them separately. It may be noted that no request whatsoever shall be entertained for extension in the prescribed time limit.

### 14. INSPECTION OF PUBLIC FILE

In terms of Rule 6(7), any interested party may inspect the public file containing non-confidential version of the evidence submitted by other interested parties. In case where an interest party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as deemed fit.

L V SAPTHARISHI, Designated Authority